कक्षा 8

पाठ 2 साए

- **मौखिक प्रश्नों के उत्तर**

(क) पत्नी पत्र पढ़कर इसलिए रोए जा रही थी क्योंकि उसका पति नैरोबी के अस्पताल में बहुत बीमार था और उसका रोग काबू से बाहर होने पर डॉक्टर ने ऑपरेशन की सलाह दी थी। अपने पति के जीवित ना रहने की आशंका के कारण वह अत्यंत दुखी थी।

(ख) लंबे समय के बाद मिले पत्र में पति के अत्यधिक बिगड़े स्वास्थ्य में सुधार का आश्वासन था।

(ग) पिता के हाथ का ऑपरेशन होने के बाद वह स्वयं पत्र नहीं लिखकर भेजते थे बल्कि किसी ओर से पत्र लिखवाते थे।

(घ) अज्जू परीक्षा में अव्वल आया तो पिता की तरफ से अलग-अलग उपहार आए जिनमें कीमती कैमरा , गरम सूट का कपड़ा , एक सुंदर घड़ी और मर्मस्पर्शी लंबा पत्र भी था।

- **लिखित प्रश्नों के उत्तर**

(क) नियमित रूप से चिट्टियां और रुपए आने पर परिवार में बच्चों के मुरझाए मुखड़े खिल उठे तथा बीमार पत्नी का स्वास्थ्य भी थोड़ा सुधर गया। इस प्रकार परिवार के हालात पहले से बेहतर हो गए।

(ख) तनु के पिता का अफ्रिका में बहुत अच्छा कारोबार है और इस कारोबार से वह बहुत अधिक धन कमा रहे हैं इसी भ्रम के कारण तनु के लिए अच्छे घराने का वर सहज ही मिल गया था।

(ग) परिवार द्वारा अफ्रीका आकर मिलने की बात का चिट्ठी द्वारा यह जवाब आया कि जब तक अज्जू अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर लेता तब तक कुछ नहीं हो सकता। इसलिए तब तक समय निकालकर वह स्वयं ही घर आने का प्रयास करेगा।

(घ) पिता ने तनु की शादी में स्वयं के ना पहुंचने की अपनी विवशता को व्यक्त करने के लिए एक पत्र लिखा। पत्र में लिखा था कि उन्होंने एक नया कारोबार शुरू किया है लेकिन उसमें मजदूरों की हड़ताल चल रही है। ऐसे संकट के समय में यह सब छोड़कर वह कैसे आ सकते हैं। उन्होंने तनु के लिए कपड़े , गहने और रुपए भिजवा दिए हैं तथा वह वर-वधू के चित्र भेजने की प्रतीक्षा करेंगे।

(ड) विदेश में रहते हुए बहुत वर्षों से पिता कारोबार में व्यस्तता के कारण घर नहीं लौट पा रहे थे। अज्जू अपने पिता से मिलने के लिए कई वर्षों से इंतजार कर रहा था। अब उसकी मां भी बीमार रहने लगी थी और उसके पिता को देखना चाहती थी । इसलिए अज्जू ने ही जाने का कार्यक्रम बना लिया।

(च) पिता के मित्र ने परिवार को उनकी मृत्यु का समाचार ना देकर स्वयं उनके सारे कर्तव्य पूरे किए थे। हमारी दृष्टि से उचित ही था क्योंकि अगर वह ऐसा ना करते तो पति के मृत्यु का समाचार सुनकर बीमार पत्नी और अधिक दुखी हो जाती जिससे वह बच्चों की उचित देखभाल और परवरिश भी नहीं कर पाती। बच्चों का भविष्य अंधकार में डूब जाता। जीवन में कभी-कभी सुखद आस से मनुष्य बड़े-बड़े संघर्षों वह मुश्किलों को भी पार कर लेता है। यही सुखद आस उस व्यक्ति ने अपने मित्र के परिवार को दी थी जिससे परिवार में फिर से खुशहाली लौट आई ।

व्याकरण आधारित प्रश्न (बात भाषा की)

प्र. 2 नीचे इसी प्रकार के कुछ शब्द दिए गए हैं इन के अर्थ लिखिए।

(क) उत्साहजनक – उत्साह , उमंग पैदा करने वाला।

(ख) निराशाजनक – उदासी एवं आशा रहित भाव उत्पन्न करने वाला।

(ग) आश्चर्यजनक – अचरज उत्पन्न करने वाला भाव ।

प्र. 3 दिए गए शब्दों में 'क' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए।

पोषण – पोशाक आराधना – आराधक बाध – बाधक

आलोचना – आलोचक धारण – धारक योजना – योजक

प्र. 4 दी गई क्रियाओं के द्वितीय रूप का रिक्त स्थानों में प्रयोग कीजिए।

(क) घूमते-घूमते

(ख) करते-करते

(ग) चलते-चलते

(घ) पढ़ते-पढ़ते

प्र. 5 दिए गए वाक्यों में क्रिया विशेषण शब्द रेखांकित कर के भेद बताइए।

(क) रोग काबू से <u>बाहर</u> है। स्थानवाचक

(ख) <u>धीरे-धीरे</u> कुछ नई जमीन खरीदने का इरादा है। रितिवाचक

(ग) गहने कपड़े सब बनवा कर वह <u>साथ</u> लाएगा। रितिवाचक

(घ) <u>अकस्मात</u> पहुंचकर पापा को चौंकाने की पूरी पूरी योजना बनाई। रितिवाचक

(ङ) वह <u>बाहर</u> बरामदे में रखी बेंच पर प्रतीक्षा करता रहा । स्थानवाचक

(च) नैरोबी की <u>आज</u> यह बहुत अच्छी फर्म है। कालवाचक